BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR
BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR
PIN-842001 (BIHAR)
Website:- www.brabu.ac.in

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS COMPILED BY MEDIA CELL (22.08.2024)

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE: 22.08.2024, PAGE

विवि में शिक्षकों को रिसर्च पेपर प्रकाशित होने पर मिलेगा प्रमोशन

मुजफ्फरपुर | बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में शिक्षकों को रिसर्च के आधार पर प्रमोशन मिलेगा। जल्द ही इसको लेकर विश्वविद्यालय की ओर से नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। इसी सत्र से गेस्ट टीचर के लिए इसे अनिवार्य किया गया है। कहा गया है कि एक एकेडमिक ईयर में कम से कम एक रिसर्च पेपर का प्रकाशन होने पर ही उनके रिन्यूवल पर विचार किया जाएगा। अब शिक्षकों को प्रमोशन तभी मिलेगा, जब वे भी निरंतर शोध करते रहेंगे। पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय में क्वालिटी रिसर्च नहीं हो रहा है। इसको देखते हुए विश्वविद्यालय ने इसे प्रमोशन और नवीकरण से जोड़ दिया है। विवि के विभिन्न पीजी विभागों और कॉलेजों में नियुक्त नियमित शिक्षकों को एक एकेडमिक वर्ष में कम से कम 2 रिसर्च पेपर यूजीसी रेफर्ड जर्नल में प्रकाशित करवाना होगा। जो इस मानक को पूरा नहीं करेंगे, प्रमोशन के समय उन्हें इसका नुकसान झेलना पड़ेगा। बताया जा रहा है कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तर्ज पर बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में भी प्रमोशन और नवीकरण को रिसर्च से जोड़ दिया गया है। विभिन्न विभिसिस का प्लेगरिज्म टेस्ट शुरू हो गया है। पीएचडी थीसिस को सबमिट करने से पहले प्लेगरिज्म टेस्ट करवाना होता है। मानक से अधिक साहित्य की चोरी मिलने पर उसे रिव्यू के लिए भेजा जाता है। ऐसे में विश्वविद्यालय ने शोध की गुणवत्ता की निगरानी को लेकर एक कमेटी के गठन का निर्णय लिया है। कुलपति के आदेश पर कमेटी गठित की गई।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 22.08.2024, PAGE-02

बीआरएबीयू में सभी स्टूडेंट्स का बनेगा एबीसी अकाउंट

अगले सत्र से परीक्षा फॉर्म भरते समय देना होगा आईडी नंबर

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के अंगीभूत से लेकर संबद्ध कॉलेजों में सामान्य से लेकर वोकेशनल कोर्स की पढ़ाई करने वाले सभी विद्यार्थियों का एबीसी (एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट) खाता बनाया जाएगा। इसके लिए पहले चरण में सभी अंगीभूत व संबद्ध कॉलेजों में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसमें छात्र-छात्राओं को एबीसी के फायदे के साथ ही एकाउंट बनाने की जानकारी दी जाएगी। साथ ही सभी कॉलेजों में एक शिक्षक को एबीसी का नोडल बनाया जाएगा, जो स्टूडेंट्स की आईडी तैयार करते हुए इसकी सूचना विश्वविद्यालय को देंगे।

विश्वविद्यालय में परीक्षा फॉर्म भरते समय अनिवार्य रूप से एबीसी आईडी भी भरना होगा। इसके लिए फॉर्म में अलग कॉलम तैयार किया जाएगा। क्रमांक और रजिस्ट्रेशन की तरह ही इस कॉलम को अनिवार्य रूप से सभी के लिए लागू किया जाएगा। परीक्षा के बाद परिणाम जारी होते ही उनके अंकपत्र से लेकर डिग्री और अन्य दस्तावेजों को विश्वविद्यालय के डिजी लॉकर पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाएगा।

परीक्षा बोर्ड की बैठक में मंजूरी मिलने के बाद किया जाएगा लागू

स्नातक से लेकर पीजी और अन्य कोर्स की पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए अब एबीसी आईडी अनिवार्य रूप से लागू की जाएगी। इसका प्रस्ताव विश्वविद्यालय के स्तर से तैयार किया गया है। परीक्षा नियंत्रक की ओर से सभी कॉलेजों के प्राचार्यों को पत्र भेजकर नामांकित विद्यार्थियों का एबीसी आईडी बनाने का निर्देश दिया गया है। इसमें उच्च शिक्षा विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को दिए गए निर्देश का हवाला देते हुए दो टूक संस्थान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट बनाने की बात कही गई है। बताया जा रहा है कि परीक्षा बोर्ड की बैठक में इस प्रस्ताव को रखा जाएगा। यहां से मंजूरी मिलने के बाद इसे लागू किया जाएगा।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE : 22.08.2024, PAGE-02

समीक्षा • नैक मूल्यांकन की तैयारियों पर कुलपति ने जताया संतोष, समर्पण निधि के रूप में अलुमिनाई से मांगी मदद

विवि हेल्थ सेंटर में 2 अक्टूबर से शुरू होगा ओपीडी

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ ही शिक्षक-कर्मचारियों और छात्रों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। 2 अक्टूबर से विश्वविद्यालय के हेल्थ सेंटर में ओपीडी संचालित होगा। जल्द ही शहर के किसी बड़े अस्पताल के साथ विश्वविद्यालय एमओयू करेगा। इसके साथ ही स्टूडेंट्स के लिए 9 परामर्श केंद्र भी खोले जाएंगे। विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी स्थित सीनेट हॉल में आईक्यूएसी की ओर से नैक मूल्यांकन की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक हुई। इसमें विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, संकायाध्यक्षों व अध्यक्षों के साथ ही प्राध्यापक मौजूद रहे। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने नैक-2024 मूल्यांकन की अबतक तैयारियों पर संतोष जताया। इस दौरान उन्होंने अलुमिनी एसोसिएशन को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए 'समर्पण निधि' के रूप में सहयोग करने की अपील उपस्थित सदस्यों से की। उन्होंने पीएचडी से संबंधित विश्वविद्यालय सेल गठित करने की घोषणा की।

विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में नैक को लेकर हुई समीक्षा बैठक में उपस्थित लोग।

नेत्रहीन छात्र-छात्राओं के लिए काम करने वाली संस्था के साथ समझौता

बैठक के दौरान नेत्रहीन छात्र-छात्राओं के लिए कार्य करने वाली संस्था 'शुभम' के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। संस्था की अध्यक्ष प्रो. संगीता अग्रवाल उपस्थित रहीं। बीआरएबीयू अलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. संजय सिन्हा ने कहा कि 15 सितंबर तक एसोसिएशन के बैंक खाते में एक करोड़ रुपए की राशि जमा करने का लक्ष्य है, ताकि नैक-2024 में विश्वविद्यालय को सम्मानजनक ग्रेड प्राप्त हो सके। बुटा अध्यक्ष प्रो. अनिल ओझा ने कहा कि शिक्षक संघ विश्वविद्यालय के साथ हर कदम पर रहेगा। बैठक में कुलानुशासक प्रो. बीएस राय, कुलसचिव प्रो. अपराजिता कृष्णा भी थे। संचालन आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. कल्याण कुमार झा ने किया।

मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म पर स्टूडेंट्स से जुड़ेगा बीआरएबीयू

मुजफ्फरपुर | बीआरए बिहार विवि में नव गठित मीडिया सेल की बैठक बुधवार को कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने की। इसमें प्रॉक्टर प्रो. वीएस राय, आईक्यूएसी डायरेक्टर प्रो. कल्याण कुमार झा, एलएस कॉलेज पत्रकारिता विभाग के समन्वयक डॉ. राजेश्वर कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमर बहादुर शुक्ला, पीजी हिंदी विभाग के डॉ. सुशांत कुमार और गृह विज्ञान विभाग की डॉ. विदिशा मिश्रा उपस्थित रहीं। बैठक में नियमित रूप से विश्वविद्यालय से संबंधित प्रमुख सूचनाओं को सोशल मीडिया पर संप्रेषित करने का निर्णय लिया गया, जिससे विश्वविद्यालय और सभी संबंधितों तक सूचनाओं का प्रमाणिक आदान-प्रदान हो सके। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म पर विश्वविद्यालय की सभी आधिकारिक और प्रामाणिक सूचनाओं को सही तरीके से भेजने पर चर्चा हुई।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR
BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR
PIN-842001 (BIHAR)

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 22.08.2024, PAGE-14

परीक्षा फार्म भरते समय देनी होगी एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट आइडी

- अंगीभूत और संबद्ध कालेजों के स्नातक व पीजी विद्यार्थियों का बनेगा एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट
- नेड डिजिलाकर से कराया जाएगा लिंक, इसमें रखे जाएंगे विद्यार्थियों के अंकपत्र और डिग्री

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के अंगीभूत से लेकर संबद्ध कालेजों में सामान्य से लेकर वोकेशनल कोर्स की पढ़ाई करने वाले सभी विद्यार्थियों की एबीसी (एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट) खाता बनाया जाएगा। यही नहीं अब विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में छात्र-छात्राओं को फार्म भरते समय उनकी अपनी एबीसी आइडी दर्ज करानी होगी। क्रमांक व रजिस्ट्रेशन की तरह ही इस कालम को अनिवार्य रूप से सभी के लिए लागू किया जाएगा। परीक्षा के बाद परिणाम जारी होते ही उनके अंकपत्र से लेकर डिग्री व अन्य दस्तावेजों को विश्वविद्यालय के डिजिलाकर पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। साथ ही चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम से लेकर पीजी समेत कोर्स के दौरान अर्जित किए गए विभिन्न क्रेडिट का पूरा रिकार्ड भी उसमें रखा जा सकेगा। स्नातक से लेकर पीजी और अन्य कोर्स की पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए अब एबीसी आइडी अनिवार्य रूप से लागू की जाएगी। इसका प्रस्ताव विश्वविद्यालय के स्तर से तैयार किया गया है। परीक्षा नियंत्रक की ओर से सभी कालेजों के प्राचार्यों को पत्र भेजकर नामांकित विद्यार्थियों की एबीसी आइडी बनाए जाने का निर्देश दिया गया है। इसमें उच्च शिक्षा विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को दिए गए निर्देश का हवाला देते हुए कहा गया है कि संस्थान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट बनाने की बात कही गई है। बताया जा रहा है कि परीक्षा बोर्ड की बैठक में इस प्रस्ताव को रखा जाएगा। वहां से मंजूरी मिलने के बाद इसे लागू किया जाएगा।

कालेजों में होगी कार्यशाला, दी जाएगी हर जानकारी : विश्वविद्यालय के सभी कालेजों में इसका प्रथम चरण में कार्यशाला होगी। इसमें छात्र-छात्राओं को एबीसी के फायदे व खाता बनाने की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। पिछले दिनों विश्वविद्यालय के अधिकारियों को इसको लेकर शिक्षा विभाग की ओर से निर्देश जारी किया गया है। साथ ही सभी कालेजों में एक शिक्षक को एबीसी का नोडल बनाया जाएगा। ये ही विद्यार्थियों की एबीसी आइडी तैयार कराते हुए इसकी सूचना विश्वविद्यालय को देंगे। परीक्षा फार्म भरते समय अनिवार्य रूप से एबीसी आइडी भरनी होगी। इसके लिए फार्म में यह सुविधा दी जाएगी।

अंकपत्र के लिए भटकना नहीं पड़ेगा, सीधे होगा अपलोड : कई बार छात्र-छात्राओं को स्नातक से लेकर पीजी तक के अंकपत्रों में गड़बड़ी को दूर करने के लिए भटकना पड़ता है। कई बार सुधार होने के बाद भी उन्हें अंकपत्र नहीं मिलता। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अंकपत्र सुधार कर उसे सीधे डिजिलाकर में अपलोड कर दिया जाएगा। इससे विद्यार्थी अपने अंकपत्र का सत्यापन डिजिलाकर में ही करा सकेंगे। साथ ही किसी कारण अंकपत्र नहीं मिलने पर उसे सीधे अपलोड किया जा सकेगा।

ये है एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट

एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट एक स्टूडेंट सेंट्रिक बाडी है। इसमें छात्र पढ़ाई के दौरान अर्जित क्रेडिट को स्टोर कर सकते हैं। यह एक राष्ट्रीय स्तर का छात्र क्रेडिट व लचीला डिजिटल प्लेटफार्म है। इस पर छात्र, किसी भी मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षा संस्थान से अर्जित अकादमिक क्रेडिट को स्टोर कर सकते हैं। एबीसी से जुड़े जरूरी दस्तावेज का सत्यापन आसान हो जाता है। इससे जुड़े कार्ड में 12 अंकों की एक खास पहचान दी जाती है। इस नंबर से शिक्षण संस्थान छात्र के शैक्षणिक क्रेडिट डाटा तक पहुंच सकते हैं।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 22.08.2024, PAGE-14

बीएचयू की प्रयोगशाला में शोध का मौका शीघ्र

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब शोध की दिशा को नई गति मिलेगी। यहां के शोध में भी गुणवत्ता आएगी। यहां के छात्रों को बहुत जल्द बीएचयू की प्रयोगशाला में शोध करने का मौका मिलेगा। सबसे पहली कड़ी में यहां के विद्यार्थी बीएचयू में जाकर क्रिस्टल तकनीकी पर रिसर्च कर सकेंगे। इसके लिए बीएचयू की ओर से विश्वविद्यालय को निमंत्रण मिला है। बीएचयू से विश्वविद्यालय पहुंचे प्रो. आरएन राय ने इसके लिए विश्वविद्यालय के छात्रों को आमंत्रित किया है। वे बुधवार को विश्वविद्यालय के पीजी रसायन विभाग में आयोजित व्याख्यान में पहुंचे थे। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डा. अरुण कुमार की अध्यक्षता में व्याख्यान में डा. नवेदुल हक, डा. रामकुमार, डा. अभय नंदा श्रीवास्तव, जयनाथ कुमार, डा. प्रियरंजन, डा. पंकज चौरसिया भी थे।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 22.08.2024, PAGE-14

विश्वविद्यालय में छात्र–छात्राओं के लिए खुलेंगे नौ परामर्श केंद्र

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए नौ परामर्श केंद्र खुलेंगे। इसमें उन्हें पठन-पाठन से लेकर काउंसलिंग व मेंटरशिप समेत उद्यमिता समेत अन्य जानकारी दी जाएगी। कुलपति प्रो.डीसी राय ने बुधवार को सीनेट हाल में बैठक में इसकी घोषणा की है। वे नैक मूल्यांकन की तैयारियों की समीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों, संकायाध्यक्षों और प्राध्यापकों के साथ बैठक कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि एलुमनी एसोसिएशन को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए समर्पण निधि के रूप में सहयोग करने की जरूरत है। विश्वविद्यालय के मान-सम्मान व ग्रेडिंग बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कार्य होंगे। विश्वविद्यालय के स्तर से पीएचडी सेल का गठन किया जाएगा इससे शोध की गुणवत्ता बेहतर की जा सकेगी। कुलपति ने कहा कि दो अक्टूबर को विश्वविद्यालय के हेल्थ सेंटर में ओपीडी खोला जाएगा। इसके लिए शहर के किसी बड़े अस्पताल से एनओयू की कोशिश होगी। इससे विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। बैठक के दौरान विश्वविद्यालय ने शुभम संस्थान से समझौता किया है। संस्थान की अध्यक्ष प्रो.संगीता भी इस मौके पर उपस्थित थीं। डा.संजय सिन्हा ने कहा कि 15 सितंबर तक एलुमनी एसोसिएशन के खाते में एक करोड़ रुपये जमा करने लक्ष्य है। बुटा अध्यक्ष प्रो.अनिल ओझा ने कहा कि शिक्षक संघ नैक मूल्यांकन की तैयारियों में विश्वविद्यालय के कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए कृत संकल्पित है। पुष्पम ने विद्वान एप की जानकारी देते हुए कहा कि इससे प्राध्यापक वैश्विक शिक्षण जगत से जुड़ सकते हैं। सभी प्राध्यापकों को एक विद्वान आइडी बनाकर उनका रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। पीजी भौतिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डा.सर्वेश कुमार दुबे से इसकी जानकारी ली जा सकती है। मौके पर प्राक्टर प्रो. बीएस राय, रजिस्ट्रार डा.अपराजिता कृष्णा, सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष और प्राध्यापक उपस्थित हुए। संचालन आइक्यूएसी के निदेशक प्रो.कल्याण कुमार झा व धन्यवाद ज्ञापन कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने किया।

मीडिया सेल के साथ बैठक करते कुलपति प्रो. डीसी राय • जागरण

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का होगा प्रचार

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के नवगठित मीडिया सेल की बैठक बुधवार को हुई। इसमें तय हुआ कि विश्वविद्यालय की सूचनाओं ने लेकर प्रगति व सकारात्मक उपलब्धयों को नियमित रूप से इंटरनेट मीडिया के माध्यम से प्रचारित किया जाएगा। प्रिंट, इलेक्ट्रानिक व इंटरनेट मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर विश्वविद्यालय की सभी आधिकारिक व प्रामाणिक सूचनाओं को सही तरीके से भेजने पर चर्चा हुई। कुलपति ने विश्वविद्यालय की सकारात्मक उपलब्धियों को अधिक से अधिक प्रसारित करके मुजफ्फरपुर सहित छह जिलों में विश्वविद्यालय के छात्रों को साथ जोड़ने का सुझाव दिया। डा.राजेश्वर कुमार प्रिंट मीडिया से समन्वय का कार्य देखेंगे। मौके पर प्राक्टर प्रो.बीएस राय, आइक्यूएसी निदेशक प्रो.कल्याण कुमार झा, एलएस कालेज पत्रकारिता विभाग के समन्वयक डा.राजेश्वर कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा.अमर बहादुर शुक्ला, पीजी हिंदी विभाग के डा.सुशांत कुमार व गृह विज्ञान विभाग की डा.विदिशा मिश्रा थीं। नियमित रूप से विश्वविद्यालय से संबंधित प्रमुख सूचनाओं को इंटरनेट मीडिया पर संप्रेषित करने का निर्णय लिया गया।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR
BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR
PIN-842001 (BIHAR)
Website:- www.brabu.ac.in

HINDUSTAN,MUZAFFARPUR
DATE-22.08.2024, PAGE-08

शोध यूजीसी के पीयर जर्नल में छपा है या नहीं होगी जांच

बीआरएबीयू

- पीएचडी की गुणवत्ता के लिए विश्वविद्यालय में बना सेल
- नैक की तैयारियों पर कुलपति ने जताई संतुष्टि

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू में शोध की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने बुधवार को पीएचडी सेल का गठन किया। यह सेल पीएचडी करने वाले छात्रों की थीसिस देखेगी और जांचेगी कि उनका रिसर्च यूजीसी के पीयर जर्नल में छपा है या नहीं। विज्ञान के छात्रों की थीसिस इंपैक्ट के आधार पर परखी जायेगी।

इससे पहले कुलपति ने सीनेट हॉल में विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, संकायाध्यक्षों, अध्यक्षों एवं प्राध्यापकों की बैठक की। कुलपति प्रो. राय ने नैक-2024 मूल्यांकन की अबतक हुई तैयारियों पर संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने एलुमनी एसोसिएशन को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए 'समर्पण निधि' के रूप में सहयोग करने की अपील उपस्थित सदस्यों से की और कहा कि नैक मूल्यांकन की तैयारियों में निरंतर सहयोग करते रहें। विश्वविद्यालय का मान-सम्मान एवं रेंकिंग बढ़ाने के लिए जो भी आवश्यक होगा, विश्वविद्यालय वह सभी कार्य करेगा।

दो अक्टूबर से शुरू होगा विवि का बंद हेल्थ सेंटर: कुलपति ने कहा कि दो अक्टूबर को विश्वविद्यालय हेल्थ सेंटर में ओपीडी शुरू हो जायेगी। शहर के किसी बड़े अस्पताल से एमओयू करने की कोशिश की जाएगी ताकि विश्वविद्यालय में कार्यरत सदस्यों को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए नौ परामर्श केंद्र खोले जाएंगे।

विश्वविद्यालय ने शुभम संस्था से किया करार

बैठक के दौरान नेत्रहीन छात्र-छात्राओं के लिए कार्य करने वाली संस्था 'शुभम' के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। संस्था की अध्यक्ष संगीता अग्रवाल इस अवसर पर उपस्थित रहीं। विवि एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. संजय सिन्हा ने कहा कि 15 सितंबर तक एसोसिएशन के खाते में एक करोड़ की राशि जमा करने का लक्ष्य है।

बिहार विश्वविद्यालय में शुरू होगा विद्वान एप

बैठक में पुष्पम ने 'विद्वान एप' की जानकारी दी। इस एप के माध्यम से प्राध्यापक वैश्विक शिक्षण जगत से जुड़ सकते हैं तथा उनकी विद्वता से देश-दुनिया के अन्य विद्यार्थी भी लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए सभी प्राध्यापकों को एक विद्वान आईडी क्रिएट कर पंजीयन करना होगा। एप से संबंधित जानकारी के लिए विवि ने डॉ. सर्वेश दुबे को जिम्मेदारी दी है।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE-22.08.2024, PAGE-08

सोशल मीडिया पर डाली जाएंगी विवि की प्रमुख सूचनाएं

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू में गठित मीडिया सेल की बैठक बुधवार को कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विश्वविद्यालय से संबंधित प्रमुख सूचनाओं को सोशल मीडिया पर भेजने का फैसला लिया गया।

विश्वविद्यालय की ओर से आधिकारिक प्रेस कांफ्रेंस और बयान प्रॉक्टर प्रो. वीएस राय देंगे, जबकि आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. कल्याण द्वा आईक्यूएसी से संबंधित प्रगति कार्यों की आधिकारिक सूचना प्रदान करेंगे। एलएस कॉलेज के पत्रकारिता विभाग के समन्वयक डॉ. राजेश्वर कुमार प्रिंट मीडिया के साथ समन्वय का कार्य देखेंगे, जबकि हिन्दी विभाग के डॉ. सुशांत कुमार प्रेस आमंत्रण और प्रेस विज्ञप्ति की जिम्मेवारी का निर्वहन करेंगे। राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमर बहादुर शुक्ला विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया के विभिन्न कार्यों को संभालेंगे और गृह विज्ञान विभाग की डॉ. विदिशा मिश्रा प्रकाशित एवं प्रसारित खबरों के संकलन का कार्यभार संभालेंगी।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE: 22.08.2024, PAGE

विवि में शिक्षकों को रिसर्च पेपर प्रकाशित होने पर मिलेगा प्रमोशन

मुजफ्फरपुर | बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में शिक्षकों को रिसर्च के आधार पर प्रमोशन मिलेगा। जल्द ही इसको लेकर विश्वविद्यालय की ओर से नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। इसी सत्र से गेस्ट टीचर के लिए इसे अनिवार्य किया गया है। कहा गया है कि एक एकेडमिक ईयर में कम से कम एक रिसर्च पेपर का प्रकाशन होने पर ही उनके रिन्यूवल पर विचार किया जाएगा। अब शिक्षकों को प्रमोशन तभी मिलेगा, जब वे भी निरंतर शोध करते रहेंगे। पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय में क्वालिटी रिसर्च नहीं हो रहा है। इसको देखते हुए विश्वविद्यालय ने इसे प्रमोशन और नवीकरण से जोड़ दिया है। विवि के विभिन्न पीजी विभागों और कॉलेजों में नियुक्त नियमित शिक्षकों को एक एकेडमिक वर्ष में कम से कम 2 रिसर्च पेपर यूजीसी रेफर्ड जर्नल में प्रकाशित कराना होगा। जो इस मानक को पूरा नहीं करेंगे, प्रमोशन के समय उन्हें इसका नुकसान झेलना पड़ेगा। बताया जा रहा है कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तर्ज पर बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में भी प्रमोशन और नवीकरण को रिसर्च से जोड़ दिया गया है। विभिन्न डिसिप्लिन का प्लेगरिज्म टेस्ट शुरू हो गया है। पीएचडी थीसिस को सबमिट करने से पहले प्लेगरिज्म टेस्ट कराना होता है। मानक से अधिक साहित्य की चोरी मिलने पर उसे रिजू के लिए भेजा जाता है। ऐसे में विश्वविद्यालय ने शोध की गुणवत्ता की निगरानी को लेकर एक कमेटी के गठन का निर्णय लिया है। कुलपति के आदेश पर कमेटी गठित की गई।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE : 22.08.2024, PAGE - 08

'प्राचीन समय से हो रहा क्रिस्टल का इस्तेमाल'

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू के रसायन विज्ञान विभाग में बुधवार को क्रिस्टल एंड टेक्निक्स फॉर क्रिस्टल ग्रोथ विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान देने के लिए बीएचयू के प्रो. आरएन राय पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि पदार्थों के क्रिस्टल रूप का उपयोग प्राचीन काल से हमारे समाज में मूंगा, माणिक, हीरा इत्यादि रूपों में होता आ रहा है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR
BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR
PIN-842001 (BIHAR)
Website:- www.brabu.ac.in

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE : 22.08.2024, PAGE-04

एबीसी में खुलेगा स्टूडेंट्स का खाता, इसी पर दिखेगा क्रेडिट

- 12 डिजिट का होगा एबीसी खाता, विवि ने कॉलेजों को दिया निर्देश
- डिजीलॉकर व नैड से रहेगा लिंक, दिखेगा छात्र-छात्राओं का प्रमाणपत्र

मुजफ्फरपुर :बीआरएबीयू ने डिजिटाइजेशन की ओर तेजी से कदम बढ़ाया है. अब विश्वविद्यालय के सभी विभागों और कॉलेजों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) में खाता खुलेगा. नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी नैड और डिजीलॉकर से भी यह लिंक्ड रहेगा. 12 डिजिट की यूनिक आइडी प्रत्येक स्टूडेंट के लिए जारी की जायेगी. इसमें सेमेस्टर पूरा होते ही एकेडमिक क्रेडिट जुड़ता जायेगा. साथ ही कोर्स के साथ ही अन्य कोई पाठ्यक्रम में इनरोल्ड होते हैं या कोई एडऑन कोर्स में पढ़ाई करते हैं तो वहां भी यह आइडी दे सकते हैं. वहां से जो क्रेडिट मिलेगा, वह इस आइडी पर जुड़ जाएगा. परीक्षा फॉर्म में अब एबीसी आइडी का कॉलम जोड़ा जाएगा. इसमें आइडी देने के बाद छात्र-छात्राओं का क्रेडिट परिणाम जारी होते ही डैस बोर्ड पर प्रदर्शित होने लगेगा. साथ ही डिजीलॉकर और नैड से जुड़े होने के कारण सभी प्रमाणपत्र भी इसपर डिजिटल फॉर्मेट में प्राप्त हो जाएंगे. इसे इसी सत्र से प्रभावी कर दिया गया है. विवि से कॉलेजों को पत्र भेजकर छात्र-छात्राओं की एबीसी आइडी क्रिएट करने का निर्देश दिया गया है. इस सत्र में करीब दो लाख छात्रों की आइडी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है.

सत्यापन करना होगा आसान : एबीसी आइडी पर दिखने वाले क्रेडिट और इससे लिंक्ड प्रमाणपत्रों का सत्यापन करना आसान होगा. उच्च शिक्षा के लिए जाने या नौकरी के समय सत्यापन के लिए विश्वविद्यालय भेजा जाता है. यहां से आसानी से स्टूडेंट्स का सत्यापन हो जायेगा. साथ ही इसके डिजिटल प्रति का उपयोग छात्र-छात्राएं कहीं भी कर सकेंगे.

क्रेडिट का रिकॉर्ड रहेगा

एबीसी एकाउंट क्रिएट करते समय छात्र-छात्राओं को संबंधित संस्थान और कोर्स का विवरण देना होगा. एक बार एबीसी आइडी बन जाने के बाद छात्र जहां भी नामांकन लेंगे, वह आइडी संबंधित कोर्स के साथ जोड़ देने पर वहां से मिलने वाली क्रेडिट भी डैसबोर्ड पर दिखेगी. मिलने वाली क्रेडिट का पूरा रिकॉर्ड भी इसमें दिखेगा. कोर्स का नाम और क्रेडिट देने वाले संस्थान का विवरण होने पर क्रेडिट का पता लगाया जा सकेगा. एबीसी आइडी की उपयोगिता बताने को लेकर कॉलेजों में कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा. सभी कॉलेजों के एक-एक शिक्षक नोडल बनेंगे. उनके माध्यम से छात्रों को आइडी क्रिएट करने के लिए जागरूक किया जायेगा.

- इस खबर को वेबसाइट पर पढ़ने के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें.

PRABHAT PRABHAKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 22.08.2024, PAGE-05

प्राचीन काल से क्रिस्टल रूप में हो रहा पदार्थों का उपयोग

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू के रसायन विज्ञान विभाग में बुधवार को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो. आरएन राय का विशेष व्याख्यान हुआ. प्रो.राय ने क्रिस्टल एंड टैक्निक्स फॉर क्रिस्टल ग्रोथर शीर्षक पर विस्तृत जानकारी दी. बताया कि पदार्थों के क्रिस्टल रूप का उपयोग प्राचीन काल से हमारे समाज में मूंगा, माणिक, हीरा के रूपों में होता आ रहा है. वर्तमान समय में पदार्थों के क्रिस्टल का उपयोग विज्ञान व तकनीक के विभिन्न उन्नत क्षेत्रों जैसे रक्षा, चिकित्सा, स्पेक्ट्रोस्कोपी में किया जा रहा है.

पदार्थ के क्रिस्टलीय प्रारूप के उपयोग से पदार्थ की उपयोगिता में कई गुना वृद्धि हो जाती है. प्रो राय ने विभिन्न प्रकार के जीवंत उदाहरण के माध्यम छात्रों को इसके तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया. प्रो.राय ने बीएचयू की लैब में आकर क्रिस्टल तकनीकी पर शोध कार्य करने के लिए आमंत्रित भी किया.

विभागाध्यक्ष प्रो.अरुण कुमार ने इसकी अध्यक्षता की. मौके पर प्रो.नवेदुल हक, प्रो.रामकुमार, डॉ अभय नंदा श्रीवास्तव, जयनाथ कुमार, डॉ प्रियरंजन, डॉ पंकज चौरसिया, डॉ फैजी समेत अन्य छात्र-छात्राएं और शोधार्थी मौजूद रहे.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:22.08.2024, PAGE-04

बीएचयू की प्रयोगशाला में शोध का मौका शीघ्र

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब शोध की दिशा को नई गति मिलेगी। यहां के शोध में भी गुणवत्ता आएगी। यहां के छात्रों को बहुत जल्द बीएचयू की प्रयोगशाला में शोध करने का मौका मिलेगा। सबसे पहली कड़ी में यहां के विद्यार्थी बीएचयू में जाकर क्रिस्टल तकनीकी पर रिसर्च कर सकेंगे। इसके लिए बीएचयू की ओर से विश्वविद्यालय को निमंत्रण मिला है। बीएचयू से विश्वविद्यालय पहुंचे प्रो. आरएन राय ने इसके लिए विश्वविद्यालय के छात्रों को आमंत्रित किया है। वे बुधवार को विश्वविद्यालय के पीजी रसायन विभाग में आयोजित व्याख्यान में पहुंचे थे। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डा. अरुण कुमार की अध्यक्षता में व्याख्यान में डा. नवेदुल हक, डा. रामकुमार, डा. अभय नंदा श्रीवास्तव, जयनाथ कुमार, डा. प्रियरंजन, डा. पंकज चौरसिया भी थे।

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:22.08.2024, PAGE-04

मीडिया सेल की बैठक के बाद सदस्यों के साथ कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय.

सोशल मीडिया पर भी सूचनाएं देगा विवि

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू में नव गठित मीडिया सेल की बैठक कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय की अध्यक्षता में हुई. बैठक में नियमित रूप से विवि से संबंधित प्रमुख सूचनाओं को सोशल मीडिया पर संप्रेषित करने का निर्णय लिया गया. निर्णय हुआ कि किसी भी प्रकार की आधिकारिक सूचना वेबसाइट के अतिरिक्त, फेसबुक, ट्विटर व यूट्यूब चैनल पर दी जाएगी. समाचार पत्रों को भी किसी भी बैठक, कार्यक्रम व संगोष्ठी की आधिकारिक सूचना एक दिन पूर्व दी जाएगी. विवि से आधिकारिक प्रेस कांफ्रेंस व बयान प्रॉक्टर प्रो बीएस राय देंगे. प्रो.कल्याण झा आइक्यूएसी से संबंधित प्रगति कार्यों की आधिकारिक सूचना देंगे. एलएस कॉलेज के पत्रकारिता विभाग के समन्वयक डॉ राजेश्वर कुमार प्रिंट मीडिया के साथ समन्वय का कार्य देखेंगे. डॉ सुशांत कुमार को प्रेस आमंत्रण व प्रेस विज्ञप्ति की जिम्मेवारी दी गयी है. डॉ अमर बहादुर शुक्ला विवि के सोशल मीडिया के विभिन्न कार्डों को संभालेंगे और डॉ विदिशा मिश्रा को प्रकाशित-प्रसारित खबरों के संकलन का कार्यभार सौंपा है.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:22.08.2024, PAGE-05

छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व कर्मचारियों को लाभ, अस्पताल से होगा एमओयू

दो अक्तूबर से विवि में हेल्थ सेंटर की शुरुआत

- विद्यार्थियों के लिए नौ परामर्श केंद्र खुलेंगे, आइक्यूएसी की बैठक में लिया गया निर्णय

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू के सीनेट हॉल में कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय की अध्यक्षता में आइक्यूएसी की बैठक हुई. नैक मूल्यांकन की तैयारियों की समीक्षा की गयी. पदाधिकारियों, संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों व प्राध्यापकों से तैयारियों का फीडबैक लिया. वीसी ने नैक 2024 मूल्यांकन की अबतक की तैयारियों पर संतुष्टि जतायी. उन्होंने पलुमनार एसोसिएशन को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए समर्पण निधि के रूप में मदद करने की अपील की. कहा कि शोध में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विवि में पीएचडी से संबंधित सेल गठित होगी. 2 अक्तूबर को विवि के हेल्थ सेंटर को शुरू किया जाएगा. यहां शहर के अस्पताल से एमओयू कर छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व कर्मियों को को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करायी जाएंगी. विवि में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए नौ परामर्श केंद्र भी खोलने का आदेश वीसी ने दिया है. उन्होंने नेत्रहीन छात्र-छात्राओं के लिए कार्य करने वाली मुजफ्फरपुर की संस्था शुभम विकलांग विकास संस्थान के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये हैं. संस्थान की प्रो संगीता अग्रवाल भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं. विवि पलुमनाइ एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ संजय सिन्हा ने कहा कि 15 सितंबर तक एसोसिएशन के बैंक खाते में एक करोड़ रुपये जमा करने का लक्ष्य है. खुटा के अध्यक्ष प्रो अनिल ओझा ने कहा कि शिक्षक संघ नैक मूल्यांकन की तैयारियों में विवि की हर संभव मदद करेगा. मौके पर कुलानुशासक प्रो वीएस राय, कुलसचिव प्रो अपराजिता कृष्णा समेत संकायाध्यक्ष व विभागाध्यक्ष मौजूद रहे. संचालन आइक्यूएसी के निदेशक प्रो कल्याण झा ने किया.

बुधवार को आइक्यूएसी की बैठक के बाद एमओयू दिखाते कुलपति व अन्य पदाधिकारी.

एप से देश-दुनिया से जुड़ सकेंगे शिक्षक

समीक्षा बैठक के दौरान पुष्पम ने 'विज्ञान एप' के बारे में जानकारी दी. बताया कि इस एप के माध्यम से प्राध्यापक वैश्विक शिक्षण जगत से जुड़ सकते हैं. उनकी विद्वता से देश-दुनिया के अन्य विद्यार्थी भी लाभ उठा सकते हैं. इसके लिए सभी प्राध्यापकों को एक विज्ञान आइडी क्रिएट करनी होगी. इसके लिए विवि ने भौतिकी विभाग के डॉ सर्वेश दुबे को जिम्मेदारी दी है.